पाठ

34

कहानी लेखन

कहानी लेखन हमारी भाषा की एक सबसे सुंदर देन है। कहानी लिखना भी अपने आप में एक कला है। इस कला को अभ्यास के द्वारा उभारा जा सकता है। कहानी लिखते समय निम्नलिखित बातों का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए-

1. कहानी की भाषा सरल व मनोरंजक होनी चाहिए।
2. इसमें प्रयुक्त वाक्य छोटे होने चाहिए।
3. इसमें आवश्यक घटनाओं का ही वर्णन होना चाहिए।
4. कहानी सदैव भूतकाल में लिखी जाती है, इस बात का ध्यान रखना चाहिए।
5. कहानी को अनावश्यक विस्तार नहीं देना चाहिए।
6. कहानी का शीर्षक आकर्षक होना चाहिए।

Scanned with CamScanner

1. सारस और लोमड़ी

किसी जंगल में एक सारस और एक लोमड़ी रहते थे। धीरे-धीरे उन दोनों में मित्रता हो गई। लोमड़ी बहुत चालाक थी पर सारस बहुत सीधा था। एक दिन लोमड़ी ने सारस से कहा, ''मित्र, कल तुम्हें हमारे घर पर भोजन करना है।'' सारस ने उसका निमंत्रण स्वीकार कर लिया।

अगले दिन सारस लोमड़ी के घर पहुँचा। लोमड़ी ने खीर बनाई थी और उसने उसे दो खुली थालियों में परोसा। दोनों मित्र खीर खाने बैठे। लोमड़ी थोड़ी ही देर में खीर चट कर गई, परंतु बेचारा सारस अपनी चोंच से खीर न खा सका और भूखा ही रह गया। उसने मन ही मन में लोमड़ी से अपने इस अपमान का बदला लेने का निश्चय किया।

कुछ दिनों के बाद एक दिन सारस ने लोमड़ी से कहा, ''बहन, कल तुम हमारे घर खाने पर आना।'' लोमड़ी ने खुशी-खुशी उसका निमंत्रण स्वीकार कर लिया और अगले ही दिन उसके घर पहुँच गई।

सारस ने खीर बनाई और दो लंबी गरदन वाले बरतनों में परोसी। सारस अपनी लंबी चोंच से खीर साफ कर गया, मगर लोमड़ी न खा सकी और भूखी रह गई। वह अपने पिछले व्यवहार पर लज्जित हुई।

Scanned with CamScanner